परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था, मुंबई

कार्यपत्रक संख्या - 2

कक्षा - आठवीं विषय - हिंदी [द्वितीय भाषा]

पाठ का नाम - बस की यात्रा

प्र. 1 नीचे लिखे गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - [5]

बस को देखा तो श्रद्धा उमड़ पड़ी | खूब वयोवृद्ध थी सदियों के अनुभव को लिए हुए | लोग इसलिए इस से सफर नहीं करना चाहते कि वृद्धावस्था में इसे कष्ट होगा | यह बस पूजा के योग्य थी उस पर सवार कैसे हुआ जा सकता है?

[क] लेखक व पाठ का नाम लिखिए।

[ख] लेखक के मन में बस को देखकर श्रद्धा क्यों उम्र पड़ी?

[ग] लोग इस बस में सफर क्यों नहीं करना चाहते थे?

प्र.2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - [5]

क्षीण चाँदनी में वृक्षों की छाया के नीचे वह बस बड़ी दयनीय लग रही थी | लगता था जैसे कोई वृद्धा थक कर बैठ गई हो | हमें ग्लानि हो रही थी कि बेचारी पर लादकर हम चले आ रहे हैं अगर इसका प्राणांत हो गया तो इस बियाबान में हमें इस की अंत्येष्टि करनी पड़ेगी।

[क] बस के खराब हो जाने पर ड्राइवर ने उसे कहाँ रोका ?

[ख] लेखक को बस दयनीय क्यों लग रही थी ?

[ग] लेखक में उसके मित्र गिलानी क्यों महसूस कर रहे थे?

प्र.3 निम्नलिखित पाठ ' बस की यात्रा' के आधार पर बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - [1∗10=10]

[1] डॉक्टर मित्र ने बस के विषय में क्या कहा?

[क] यह अनुभवी भी है हमें प्यार से अपनी गोद में बिठाएगी कहीं धोखा नहीं देगी

[ख] इस बस का तो इलाज करवाना चाहिए

[ग] यह बस सवारिया लादने के काबिल नहीं

[घ] यह बस गंतव्य तक नहीं पहुँचा पाएगी

[2] बस पर चढ़ाने वाले लोग लेखक व उसके मित्रों को भावभीनी विदाई क्यों दे रहे थे?

[क] उन्हें लग रहा था कि अब उनका अंतिम समय पास है

[ख] वे कभी लौट कर नहीं आएँगे

[ग] वह अपने गंतव्य पर नहीं पहुँच पाएँगे

[घ] उपर्युक्त सभी

[3] लेखक ने बस की तुलना गांधीजी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के साथ क्योंकि है?

[क] बस का साथ सभी लोग नहीं दे रहे थे

[ख] जिस प्रकार अहसयोग आंदोलन में लोग पहले गांधी जी के साथ नहीं आए थे वैसे ही बस के सभी पुर्जे भी मिलकर नहीं चल रहे थे

[ग] बस गांधीजी के समय की थी

[घ] बस पर अंकित चिह्न स्वतंत्रता आंदोलन की कहानी कह रहे थे

[4] बस का हर हिस्सा दूसरे हिस्से से असहयोग कर रहा था ऐसा लेखक ने क्यों कहा?

[क] क्योंकि वह बीचों -बीच से टूट रही थी

[ख] क्योंकि सभी हिस्से टूटे हुए थे

[ग] क्योंकि बस का कोई हिस्सा दूसरे से मिलकर नहीं चल रहा था

[घ] क्योंकि टूटी हुई बस में लोग बैठ नहीं पा रहे थे

[5] आठ- दस मील के बाद बस की चाल में क्या परिवर्तन आया?

[क] बस सहज हो गई, बिल्कुल आराम से चलने लगी

[ख] बस का टायर खराब हो गया

[ग] बस धीमी गति से चलने लगी

[घ] बस चलते चलते बंद हो गई

[6] बस की सीटें कैसी थी ?

[क] बस की सीटें मजबूत थी

[ख] बस की सीटें सुंदर थी

[ग] बस की सीटें बहुत बुरी दशा में थी

[घ] इनमें से कोई नहीं

[7] बस किस रफ्तार से चल रही थी ?

[क] पंद्रह से बीस प्रति घंटा

[ख] पाँच से दस मील प्रति घंटा

[ग] दो से चार मील प्रति घंटा

[घ] आठ से दस मील प्रति घंटा

[8] 'बियाबान' शब्द से आप क्या समझते हैं?

[क] खतरनाक [ख] डरावना [ग] भयानक [घ] सुनसान

[9] बस कहाँ खराब हुई?

[क] जंगल में [ख] झील के पास [ग] पुलिया पर [घ] इनमें से कोई नहीं।

[10] 'उत्सर्ग की भावना दुर्लभ है' इन शब्दों का क्या अर्थ है?

[क] निरंतर आगे बढ़ने की चाह

[ख] मुश्किल से उद्देश्य पाना

[ग] कंपनी का बस के प्रति मोह ने त्यागना और उसे निरंतर चलाना

[घ] लोगों के प्रति सचेत में होना

प्र.4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए [2*10=20]

[1] बस पूजा के योग है ऐसा भाव लोगों के मन में क्यों आया था?

[2] लेखक को बस पर भरोसा क्यों नहीं रहा?

[3] झील को देखते ही लेखक के मन में क्या ख्याल आता था?

[4] बस के हिस्सेदार को क्रांतिकारी का नाम लेखक क्यों देना चाहता था?

[5] लेखक व उसके मित्र कहाँ जा रहे थे ? लोगों ने उन्हें शाम वाली बस से न जाने की सलाह क्यों दी?

[6] लेखक को बस वयोवृद्ध क्यों लगी?

[7] बस कंपनी के हिस्सेदार से लेखक ने यह क्यों पूछा कि क्या यह बस चलती है?

[8] लेखक का यह कहना कहां तक उचित है कि यह बस गांधीजी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के वक्त अवश्य जवान रही होगी?

[9] हरिशंकर परसाई की रचना बस की यात्रा आज के समाज में भी कैसे सार्थक है?

[10] बस की यात्रा पाठ से क्या संदेश मिलता है?

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए [3*5=15]

[1] मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धा भाव से देखा। लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

[2] 'लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफर नहीं करते'- लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

[3] 'ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं'- लेखक को ऐसा क्यों लगा?

[4] ' गजब हो गया ऐसे बस अपने आप चलती है'- लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

[5] 'मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था'- लेखक पेड़ों को दुश्मन क्यों समझ रहा था?

प्र.6 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - [5*5=25]

[1] सविनय अवज्ञा आंदोलन किसके नेतृत्व में किस उद्देश्य तथा कब हुआ था ? इतिहास के उपलब्ध पुस्तकों के आधार पर लिखिए?

[2] सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है ? लिखिए।

[3] आप अपनी किसी यात्रा के खट्टे मीठे अनुभव को याद करते हुए एक लेख लिखिए।

[4] अनुमान कीजिए यदि बस जीवित प्राणी होती , बोल सकती तो वह अपनी बुरी हालत और भारी बोझ के कष्ट को किन शब्दों में व्यक्त करती ? लिखिए।

[5] संख्यावाचक विशेषण और गुणवाचक विशेषण के पाँच-पाँच उदाहरण लिखिए।

****